पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राजभवन में मतदान प्रोत्साहन सम्मान समारोह का आयोजन

जनतंत्र को परिपक्व बनाने में मतदान का महत्व–राज्यपाल

मतदाता सूची में विसंगति दूर करने की जरूरत-- मुख्यमंत्री

लखनऊः 14 अप्रैल, 2018

नगरीय निकाय निर्वाचन-2017 में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले मतदेय स्थलों, संबंधित अधिकारियों एवं विजयी महानुभावों को आज राजभवन में सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में राज्यपाल श्री राम नाईक ने आगरा नगर निगम के वार्ड संख्या ट्रांस यमुना के मतदान स्थल 540 गंगा देवी पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रामबाग, कक्ष संख्या-2 में 87.82 प्रतिशत मतदान के लिये महापौर श्री नवीन कुमार जैन, पार्षद श्री प्रकाश केशवानी शेरा भाई, पीठासीन अधिकारी श्री भानु प्रताप सिंह, मतदान अधिकारी श्री अखिलेश हरी त्रिवेदी, सुश्री रूबीना सैफी तथा श्री यदुवीर सिंह, बरेली की नगरपालिका परिषद-बहेड़ी के वार्ड संख्या-2 गोटिया श्यामाचरन के मतदान स्थल-4 प्राथमिक पाठशाला, शेखूपुर में 92.69 प्रतिशत मतदान के लिये अध्यक्ष श्री फैजुल, सदस्य श्री आलोक कुमार गंगवार, पीठासीन अधिकारी श्री अशोक कुमार, मतदान अधिकारी श्री प्रताप सिंह, सुश्री सुशीला कुमारी चैरसिया तथा श्री राम समझ राना तथा मेरठ की नगर पंचायत-खिवाई के वार्ड संख्या-7 तेलियोवाला के मतदान स्थल संख्या-9 प्राथमिक पाठशाला संख्या-1 खिवाई में 97.01 प्रतिशत मतदान के लिये अध्यक्ष श्री रंगीला, सदस्य श्री इमलसख, पीठासीन अधिकारी श्री राकेश कुमार तोमर, मतदान अधिकारी श्री रमेश कुमार वर्मा, श्री आशू मलिक एवं श्री विशाल कुमार को सम्मानित किया।

सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना, ग्राम्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डाॅ0 महेन्द्र सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज कुमार, राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, राजस्व परिषद के अध्यक्ष श्री प्रवीर कुमार, प्रदेश के नगर निगम के महापौरगण, लखनऊ नगर निगम के सभासदगण व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। राज्यपाल ने सभी सम्मानमूर्तियों को अंगवस्त्र, अभिनन्दन-पत्र व डाॅ0 नरेन्द्र जाधव द्वारा संकलित डाॅ0 आंबेडकर के विचार एवं भाषणों के संग्रह के चारों खण्ड भेंट स्वरूप दिया। इससे पूर्व राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री सहित सभी मंचस्थ विशिष्ट जनों ने डाॅ0 आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

राज्यपाल ने कहा कि सम्मान समारोह के आयोजन के लिये आज का दिन इसलिये चुना गया है क्योंकि आज संविधान शिल्पी बाबासाहब का जन्मदिवस है। बाबासाहब द्वारा रचित संविधान ने 18 वर्ष की आयु वाले सभी भारतीय नागरिकों को जनप्रतिनिधि चुनने का मौलिक अधिकार दिया है। मतदान के माध्यम से ग्राम्य पंचायत से लेकर लोकसभा तक के प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है। उन्होंने डाॅ0 आंबेडकर का सही नाम लिखने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किये गये प्रयास की सराहना भी की।

श्री नाईक ने कम मतदान प्रतिशत पर चिन्ता जताते हुए कहा कि ऐसा माना जाता है कि शहरी क्षेत्र जहां ज्यादातर शिक्षित एवं सम्पन्न लोग रहते हैं वहां मतदान कम होता है जबकि ग्रामीण क्षेत्रों का मतदान प्रतिशत शहर की तुलना में ज्यादा होता है। मतदान के महत्व को समझने की जरूरत है। सदन में लाये गये अविश्वास प्रस्ताव में सन्1999 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार महज एक वोट से हार गई थी। जनतंत्र को परिपक्व बनाने में मतदान का महत्व समझें तथा मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अपनी भूमिका निभायें। उन्होंने सभी चुनावों के लिये सामान्य मतदाता सूची की वकालत भी की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की सशक्त अभिव्यक्ति है। भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। चुनावी प्रक्रिया को सरल होना चाहिए। मतदाता सूची में विसंगति दूर करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने सभी चुनाव को एक साथ कराने पर जोर देते हुए कहा कि पाॅंच वर्ष में एक बार चुनाव हो तथा सभी चुनाव की एक मतदाता सूची हो। इस संबंध में एक समिति का गठन भी किया गया है। मतदाता सूची को आधार से जोड़ने की बात

कहते हुए उन्होंने कहा कि इससे मतदान का प्रतिशत बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास करें ताकि अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का भी विकास हो।

नगर विकास मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने कहा कि राज्यपाल ने संसद में राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत गाने की परम्परा, विधान परिषद में नाम निर्देशन को पारदर्शी बनाने, डा॰ आंबेडकर के सही नाम लिखने तथा विधेयक के माध्यम से उसका संशोधन कराने जैसे अनेक नई परम्परा की शुरूआत की है। मतदान के अधिकार का प्रयोग होना चाहिये। उन्होंने कहा कि मतदान में वह शक्ति है जो सत्ता चुनने का अधिकार देती है।

कार्यक्रम में राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज कुमार ने अपने विचार रखे तथा प्रमुख सचिव राज्यपाल सुश्री जूथिका पाटणकर ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखी। श्री एस0एस0 उपाध्याय विधि परामर्शी ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का संचालन अपर विधि परामर्शी श्री कामेश शुक्ला द्वारा किया गया।

अंजुम/ललित/राजभवन (160/32)